वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान में मनाये गये हिन्दी कार्यशाला का रिपोर्ट

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर में राजभाषा के प्रचार-प्रसार में प्रगति पाने के लिये प्रतिवर्ष अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में 15 दिसम्बर 2015 को इस संस्थान में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय था – "द्विभाषिक रूप में टिप्पणी लेखन"। इस विषय पर विस्तार से चर्चा करने के लिये श्रीमती इंदिरा अरविंदन, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक, भारत संचार निगम लिमिटेड, कोयम्बत्तूर को आमंत्रित किया गया।

इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, हिन्दी अनुवादक ने सभी का स्वागत किया। श्री आर.एस.प्रशांत, भा.व.से., निदेशक जी ने हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी कार्यशाला पर अपना विचार व्यक्त किया। उसके बाद मुख्य अथिति श्रीमती इंदिरा अरविंदन, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस कार्यशाला के अंतर्गत उन्होंने राजभाषा के नियम एवं प्रावधानों का संक्षिप्त परिचय दिया और भारत सरकार के द्वारा बनाये गये प्रेरणादायक योजनाओं की पूरी जानकारी दी। फायलों, डाक रजिस्टरों आदि में हिन्दी का प्रयोग कैसे आसानी से किया जा सकता है इसकी पूर्ण जानकारी दी। फायलों में टिप्पणियों के प्रयोग के लिये भारत सरकार के द्वारा दिये गये प्रोत्साहन योजना के बारे में बताया एवं उसको आसानी से किस तरह अमल में लाया जा सकता है इस पर भी चर्चा की। फिर कर्मचारियों के द्वारा पूछे गये प्रश्नों का जवाब देकर अपने भाषण को समाप्त किया। फिर निदेशक जी ने अपने कमल हस्थों से मुख्य अथिति को एक मोमेन्टो भेंट किया।

अंत में श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, हिन्दी अनुवादक ने सभी को धन्यवाद देकर इस कार्यशाला को सफल रीति से सम्पन्न किया।

सभी का स्वागत करते हुए

निदेशक के द्वारा भाषण

मुख्य अथिति के द्वारा कार्यशाला के विषय पर चर्चा

मुख्य अथिति को मोमेन्टो देते हुये

सभा में उपस्थित कर्मचारियाँ